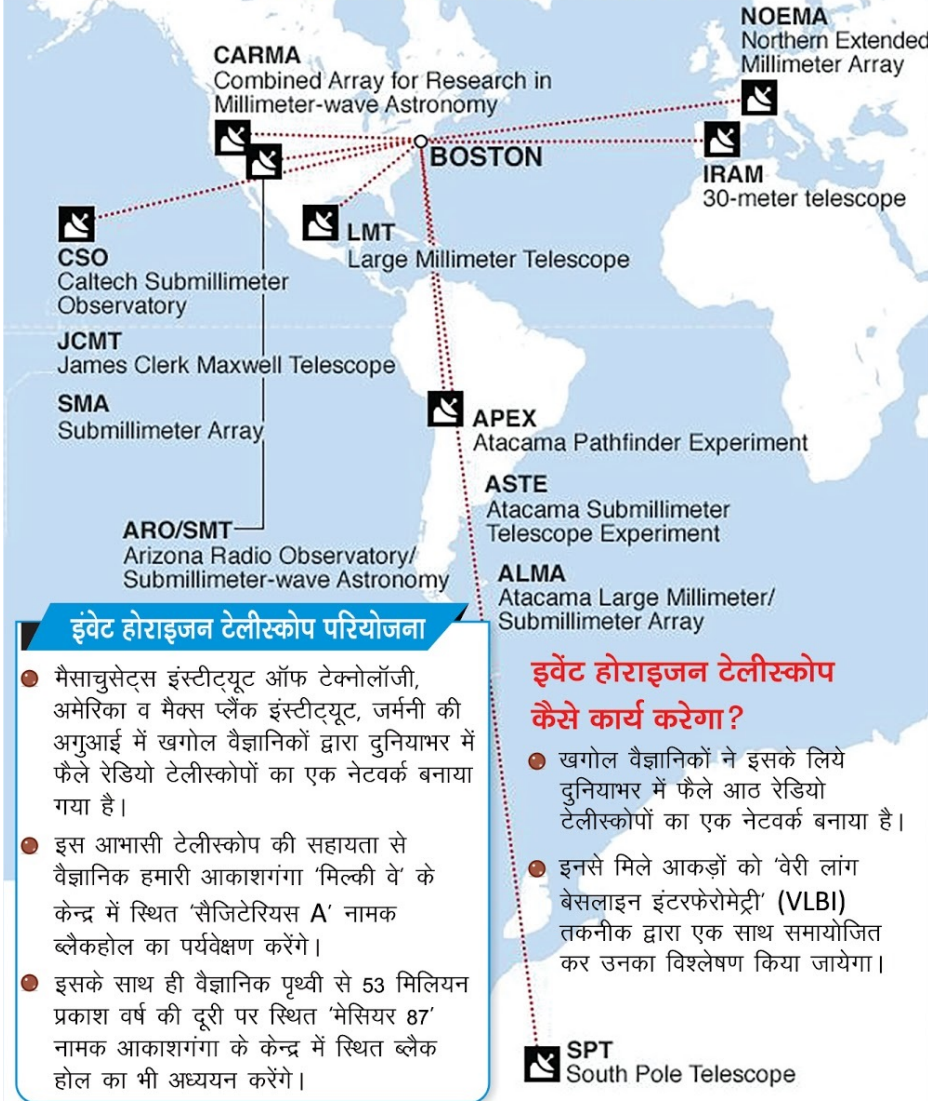


इवेंट होराइजन टेलीस्कोप

इवेंट होराइजन टेलीस्कोप

ब्लैक होल की तस्वीर खींचने का प्रयास!



इवेंट होराइजन टेलीस्कोप परियोजना

- मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका व मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट, जर्मनी की अगुआई में खगोल वैज्ञानिकों द्वारा दुनियाभर में फैले रेडियो टेलीस्कोपों का एक नेटवर्क बनाया गया है।
- इस आभासी टेलीस्कोप की सहायता से वैज्ञानिक हमारी आकाशगंगा 'मिल्की वे' के केन्द्र में स्थित 'सैजिटेरियस A' नामक ब्लैकहोल का पर्यवेक्षण करेंगे।
- इसके साथ ही वैज्ञानिक पृथ्वी से 53 मिलियन प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित 'मेसियर 87' नामक आकाशगंगा के केन्द्र में स्थित ब्लैक होल का भी अध्ययन करेंगे।

इवेंट होराइजन टेलीस्कोप कैसे कार्य करेगा?

- खगोल वैज्ञानिकों ने इसके लिये दुनियाभर में फैले आठ रेडियो टेलीस्कोपों का एक नेटवर्क बनाया है।
- इनसे मिले आकड़ों को 'वेरी लांग बेसलाइन इंटरफेरोमेट्री' (VLBI) तकनीक द्वारा एक साथ समायोजित कर उनका विश्लेषण किया जायेगा।

SPT
South Pole Telescope

क्या है इवेंट होराइजन?

'इवेंट होराइजन' या 'घटना क्षितिज' दिक-काल या स्पेस-टाइम में एक ऐसी सीमा होती है जिसके पार होने वाली घटनाएँ बाहर के ब्रह्माण्ड पर कोई असर नहीं डालती और न ही इस सीमा के बाहर बैठे किसी दर्शक को यह ज्ञात हो सकता है कि इस क्षितिज के पार क्या हो रहा है? इस सीमा के पार गुरुत्वाकर्षण इतना अधिक हो जाता है कि कोई भी चीज, यहाँ तक कि प्रकाश भी बाहर नहीं निकल पाता। इसे ही 'ब्लैक होल' कहा जाता है। इवेंट होराइजन टेलीस्कोप परियोजना द्वारा खगोल वैज्ञानिक इसी घटना क्षितिज या इवेंट होराइजन की तस्वीर प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

